प्राथमिक और माध्यमिक कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार

सन्दर्भ

आरबीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि सेकेंडरी कॉरपोरेट डेट मार्केट में इलिक्विडिटी एक वैश्विक मुद्दा है और इसलिए प्राइमरी मार्केट को और गहरा करने पर ध्यान देना चाहिए।

प्रमुख बिंदु

• भारतीय प्राथमिक कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार मार्च 2012 में ₹10.4 लाख करोड़ से चार गुना बढ़कर मार्च 2022 तक ₹40 लाख करोड़ हो गया है।
• इसी अवधि के दौरान, द्वितीयक बाजार की मात्रा ₹4.4 लाख करोड़ से बढ़कर ₹14 लाख करोड़ हो गई।
• केवल यू.एस. के पास 'बहुत' तरल द्वितीयक कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार है और भारत में दूसरा सबसे अच्छा है, जो बहुत कम है।
• यू.एस. बाजार बहुत गहरा है क्योंकि इसका नेतृत्व कॉरपोरेट्स और नगर पालिकाओं द्वारा किया जाता है। सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार भी यू.एस. में सबसे अधिक 120% है, जबकि भारत में यह केवल 18% है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड क्या है?

• कॉरपोरेट बॉन्ड एक प्रकार की ऋण सुरक्षा है जो एक फर्म द्वारा जारी की जाती है और निवेशकों को बेची जाती है।
• कंपनी को वह पूंजी मिलती है जिसकी उसे जरूरत होती है और बदले में निवेशक को एक निश्चित या परिवर्तनीय ब्याज दर पर ब्याज भुगतान की एक पूर्व-स्थापित संख्या का भुगतान किया जाता है।
• जब बांड समाप्त हो जाता है, या "परिपक्वता तक पहुंच जाता है," भुगतान बंद हो जाता है और मूल निवेश वापस कर दिया जाता है।
• बांड के लिए समर्थन आम तौर पर कंपनी की चुकाने की क्षमता है, जो भविष्य के राजस्व और लाभप्रदता के लिए इसकी संभावनाओं पर निर्भर करता है।
• कुछ मामलों में, कंपनी की भौतिक संपत्ति को संपार्श्विक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्राइमरी बॉन्ड मार्केट क्या है?

• बांड बाजार को मोटे तौर पर 2 अलग-अलग साइलो में विभाजित किया गया है: प्राथमिक बाजार और द्वितीयक बाजार।
• प्राथमिक बाजार को अक्सर "नए मुद्दे" बाजार के रूप में संदर्भित किया जाता है जिसमें लेनदेन सीधे बांड जारीकर्ताओं और बांड खरीदारों के बीच होते हैं।
• संक्षेप में, प्राथमिक बाजार नई ऋण प्रतिभूतियों का सृजन करता है जो पहले जनता को नहीं दी गई हैं।

सेकेंडरी बॉन्ड मार्केट क्या है?

• द्वितीयक बाजार में, प्राथमिक बाजार में पहले ही बेची जा चुकी प्रतिभूतियों को बाद की तारीखों में खरीदा और बेचा जाता है।
• निवेशक इन बांडों को एक दलाल से खरीद सकते हैं, जो खरीदने और बेचने वाली पार्टियों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है।

गन जंपिंग और खुले बाजार में खरीदारी

सन्दर्भ

लोकसभा में पेश किए गए प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 में संशोधन के लिए विधेयक का उद्देश्य बंदूक कूदने के संबंध में प्रावधानों में संशोधन करना है।

गन जंपिंग क्या है?

• भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के अनुमोदन से पहले पार्टियों को एक संयोजन के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहिए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अर्थ के तहत एक संयोजन को संदर्भित करता है:
प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों का अधिग्रहण, मतदान अधिकार या संपत्ति या प्रबंधन पर नियंत्रण या एक या एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा एक या अधिक उद्यमों की संपत्ति पर नियंत्रण, या, उद्यमों के बीच विलय या समामेलन, जब संयुक्त उद्यम संयुक्त रूप से अधिनियम की धारा 5 के तहत निर्धारित कुछ सीमा से अधिक हो जाते हैं।
• यदि संयुक्त पक्ष अनुमोदन से पहले एक अधिसूचित लेनदेन को बंद कर देते हैं, या आयोग के ज्ञान में लाए बिना एक रिपोर्ट योग्य लेनदेन को समाप्त कर दिया है, तो इसे गन जंपिंग के रूप में देखा जाता है। गन-जंपिंग के लिए जुर्माना संपत्ति या कारोबार का कुल 1% था।

वर्तमान प्रावधान के साथ समस्या

• खुले बाजार में खरीद की समाप्ति को स्थगित करने में संयुक्त दलों की अक्षमता के कारण गन जंपिंग के कई मामले सामने आए हैं।
• उनमें से कई का तर्क है कि लक्षित शेयरों की खुले बाजार की खरीद से जुड़े अधिग्रहण को जल्दी से पूरा किया जाना चाहिए, ऐसा न हो कि शेयर का भाव में बदलाव हो।
• यदि पार्टियां आयोग की मंजूरी की प्रतीक्षा करती हैं, तो लेन-देन वहन करने योग्य नहीं हो सकता है।

संशोधन में क्या प्रस्ताव है?

• वर्तमान संशोधन विधेयक में खुले बाजार की खरीद और शेयर बाजार के लेनदेन को आयोग को अग्रिम रूप से सूचित करने की आवश्यकता से छूट देने का प्रस्ताव है।
• यह इस शर्त के अधीन है कि अधिग्रहणकर्ता तब तक मतदान या स्वामित्व अधिकारों का प्रयोग नहीं करता जब तक कि लेनदेन स्वीकृत नहीं हो जाता और बाद में आयोग को इसकी सूचना नहीं दी जाती। गन-जंपिंग के लिए जुर्माना अब डील वैल्यू का 1% करने का प्रस्ताव है।

गंभीर मौसम की घटनाओं के बारे में उपयोगकर्ताओं को सचेत करने के लिए एंबी ने नया एपीआई लॉन्च किया

सन्दर्भ

जलवायु खुफिया कंपनी एंबी ने उपयोगकर्ताओं को गंभीर मौसम की घटनाओं के प्रति सचेत करने के लिए एक नया एप्लिकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीआई) लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

• कई पर्यावरणीय कारक चरम मौसम की घटनाओं और खराब वायु गुणवत्ता की आवृत्ति और जोखिम को बढ़ाने के लिए परस्पर क्रिया करते हैं।
• मौसम अलर्ट एपीआई के रूप में उपलब्ध हैं और हर घंटे एक बार की आवृत्ति पर वास्तविक समय के आधार पर चरम मौसम की घटनाओं के अलर्ट प्रदान करते हैं।
• यह उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित चरम मौसम की घटनाओं की घटना की संभावना के बारे में सूचित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:
बर्फ़ीला तूफ़ान:
भारी बर्फ़, बर्फ़ और ठंडे तापमान; धूल का चक्रवात:
मजबूत धाराएं और शुष्क स्थितियां; आदि।

महत्व

• एपीआई उपयोगकर्ताओं को सावधानी बरतने, आवश्यक समाधान तैयार करने और, सबसे बढ़कर, भविष्य के लिए तैयार करने में मदद कर सकता है।
• जैसे-जैसे गंभीर मौसम आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ती है, पृथ्वी के जलवायु परिवर्तन को और अधिक बारीकी से ट्रैक करने की आवश्यकता है।

एक राष्ट्र एक उर्वरक योजना

सन्दर्भ

सरकार ने "प्रधानमंत्री भारतीय जनुर्वरक परियोजना" (पीएमबीजेपी) नामक उर्वरक सब्सिडी योजना के तहत "उर्वरक और लोगो के लिए एकल ब्रांड" पेश करके एक राष्ट्र एक उर्वरक को लागू करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

• नई "वन नेशन वन फर्टिलाइजर" योजना के तहत, कंपनियों को अपने बैग के केवल एक तिहाई स्थान पर अपना नाम, ब्रांड, लोगो और अन्य प्रासंगिक उत्पाद जानकारी प्रदर्शित करने की अनुमति है।
• शेष दो तिहाई स्थान पर "भारत" ब्रांड और प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना लोगो दिखाना होगा।
• यूरिया का अधिकतम खुदरा मूल्य वर्तमान में सरकार द्वारा तय किया जाता है, जो कंपनियों को उनके द्वारा किए गए विनिर्माण या आयात की उच्च लागत के लिए क्षतिपूर्ति करता है।

प्रमुख बिंदु

• यह उर्वरक कंपनियों को विपणन और ब्रांड प्रचार गतिविधियों को शुरू करने से हतोत्साहित करेगा।
• किसी भी कंपनी की ताकत अंतत: दशकों से बने उसके ब्रांड और किसानों का विश्वास है।

अर्थ गंगा

सन्दर्भ

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक ने हाल ही में स्टॉकहोम विश्व जल सप्ताह 2022 में अपने आभासी मुख्य भाषण के दौरान अर्थ गंगा मॉडल के बारे में बात की थी ।

अर्थ गंगा परियोजना के बारे में

• अर्थ गंगा परियोजना के हस्तक्षेप संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुसार हैं।
• अर्थ गंगा के तहत, सरकार छह कार्यक्षेत्रों पर काम कर रही है।
• पहला शून्य बजट प्राकृतिक खेती है, जिसमें नदी के दोनों ओर 10 किमी पर रासायनिक मुक्त खेती और गोवर्धन योजना के माध्यम से खाद के रूप में गोबर को बढ़ावा देना शामिल है।
• कीचड़ और अपशिष्ट जल का मुद्रीकरण और पुन: उपयोग दूसरा है, जो शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए सिंचाई, उद्योगों और राजस्व सृजन के लिए उपचारित पानी का पुन: उपयोग करना चाहता है।
• अर्थ गंगा में हाट बनाकर आजीविका सृजन के अवसर भी शामिल होंगे जहां लोग स्थानीय उत्पाद, औषधीय पौधे और आयुर्वेद बेच सकते हैं।

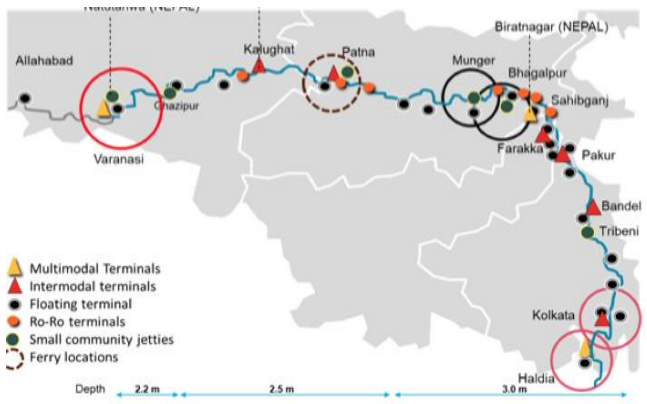

• चौथा नदी से जुड़े हितधारकों के बीच तालमेल बढ़ाकर जनभागीदारी बढ़ाना है।
• मॉडल नाव पर्यटन, साहसिक खेलों और योग गतिविधियों के माध्यम से गंगा और उसके आसपास की सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देना चाहता है। यह मॉडल बेहतर जल प्रशासन के लिए स्थानीय प्रशासन को सशक्त बनाकर संस्थागत निर्माण को बढ़ावा देना चाहता है।
• नोट:- 1991 से, स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय जल संस्थान वैश्विक जल चिंताओं को दूर करने के लिए हर साल विश्व जल सप्ताह का आयोजन कर रहा है।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) 2022

सन्दर्भ

प्रधानमंत्री ने हाल ही में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2022 के ग्रैंड फिनाले को संबोधित किया।

प्रमुख बिंदु

• स्मार्ट इंडिया हैकथॉन एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में सामना करने वाली कुछ समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है और इस प्रकार उत्पाद नवाचार की संस्कृति और समस्या-समाधान की मानसिकता को विकसित करती है।
• पहले चार संस्करण SIH2017, SIH2018, SIH2019 और SIH2020 युवा दिमाग, विशेष रूप से पूरे भारत के इंजीनियरिंग छात्रों में नई सोच को बढ़ावा देने में बेहद सफल साबित हुए।
• हैकाथॉन के लिए दो प्रारूप हैं - एसआईएच सॉफ्टवेयर और एसआईएच हार्डवेयर संस्करण।
• एसआईएच 2022 का विषय है 'कोई समस्या बहुत बड़ी नहीं है... कोई विचार बहुत छोटा नहीं है'।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट

सन्दर्भ

विदेश सचिव ने मीडिया को बताया कि इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में यानी 2023 तक शुरू कर दिए जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

• पासपोर्ट बुक में एक ई-चिप और कुछ और विशेषताएं जोड़ी जाएंगी जो भारतीय पासपोर्ट की सुरक्षा उन्नयन प्रदान करेगी और मशीन रीडिंग को सक्षम बनाएगी।
• पिछले वर्ष 83 अरब डॉलर की तुलना में 2021 में प्रवासी भारतीयों द्वारा 87 अरब डॉलर भारत को भेजे गए हैं।
• चिप में पासपोर्ट धारक का विवरण इलेक्ट्रॉनिक रूप में होगा और इससे जाली पासपोर्ट समाप्त होने की पूरी संभावना है।

देश का पहला स्वदेशी विमान वाहक

सन्दर्भ

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत (IAC-1) के चालू होने की अध्यक्षता करेंगे।

प्रमुख बिंदु

• इसका नाम भारत के पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के युद्ध में परिचालन देखा था।

• भारत अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस सहित देशों के चुनिंदा क्लबों में शामिल हो गया है, जो 40,000 टन से ऊपर के विमान वाहक डिजाइन और निर्माण करते हैं।
• जहाज स्वदेश निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) के अलावा एमआईजी-29के लड़ाकू जेट, कामोव-31, एमएच-60आर बहु भूमिका हेलीकाप्टरों से युक्त 30 विमानों से युक्त एक एयर विंग का संचालन करने में सक्षम होगा।)
• भारत के पास वर्तमान में केवल एक विमानवाहक पोत है -आईएनएस विक्रमादित्य जिसे रूस से खरीदा गया।
• महत्व: देश के पहले विमानवाहक पोत विक्रांत के कार्यरत होने से हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बढ़ेगी।

यक्षगान

सन्दर्भ

एक सदी से अधिक पुराने यक्षगान थिएटर मंडली ने सरकार के निर्देश अनुसार (जिसमे रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक लगाई गयी) अपने शो की अवधि शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक करने का फैसला किया है।

प्रमुख बिंदु

• यक्षगान (यक्ष - आकाशीय; गण - संगीत) एक पारंपरिक लोक नृत्य है जो उडुपी, दक्षिण केनरा और उत्तरी केनरा के तटीय कर्नाटक जिलों में लोकप्रिय है। यह एक रात भर चलने वाला कार्यक्रम है, जिसमें व्यापक रूप से सजे हुए कलाकार आमतौर पर सर्दियों की फसल की कटाई के बाद गाँव के धान के खेतों में खुले में थिएटर में ढोल की थाप पर नाचते हैं।

• परंपरागत रूप से, पुरुष सभी भूमिकाएं निभाते हैं, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं, हालांकि महिलाएं अब यक्षगान मंडली का हिस्सा हैं। एक विशिष्ट मंडली में 15 से 20 अभिनेता और एक भागवत होते हैं, जो समारोहों के स्वामी और मुख्य कहानीकार होते हैं।

• प्रत्येक प्रदर्शन आम तौर पर रामायण या महाभारत के प्राचीन हिंदू महाकाव्यों की एक छोटी उप-कथा (जिसे 'प्रसंग' के रूप में जाना जाता है) पर केंद्रित होता है।

• यक्षगान में उपयोग किए जाने वाले संगीत वाद्ययंत्रों में चंदे (ड्रम), हारमोनियम, मडले, ताल (मिनी मेटल क्लैपर्स) और बांसुरी शामिल हैं। यक्षगान में उपयोग की जाने वाली वेशभूषा बहुत ही अनोखी और विस्तृत होती है जिसमे बड़े आकार के हेड गियर, रंगीन चेहरे, पूरे शरीर पर विस्तृत वेशभूषा और पैरों पर संगीत की माला (गेजे) होती हैं।

दीर अज़-ज़ोर

सन्दर्भ

अमेरिकी सेना ने दावा किया कि उसने पूर्वी सीरिया में हवाई हमले किए।

प्रमुख बिंदु

• दीर अज़-ज़ोर एक रणनीतिक प्रांत है जो इराक की सीमा में है और इसमें तेल क्षेत्र शामिल हैं।

• सीरिया उत्तर में तुर्की, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में इराक, दक्षिण में जॉर्डन और दक्षिण-पश्चिम में लेबनान और इज़राइल से घिरा है।

हीटवेव और वायु प्रदूषण

सन्दर्भ

शोधकर्ताओं के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम द्वारा अनुभव किए गए जुलाई 2022 में अत्यधिक तापमान ने वातावरण में हानिकारक प्रदूषकों के स्तर को बदल दिया है।

प्रमुख बिंदु

• हीटवेव ने खतरनाक रूप से उच्च स्तर के ओजोन (डब्ल्यूएचओ के मानक से अधिक: 100 माइक्रोग्राम / एम 3 8 घंटे के माध्य से अधिक) और पार्टिकुलेट मैटर को वातावरण में
जोड़ दिया था।

• हीटवेव जो वायुमंडलीय प्रतिक्रियाओं के परिणामस्वरूप जारी होता है न कि सीधे किसी मानवीय गतिविधि से , ओजोन प्रदूषण को ट्रिगर करने के लिए जाने जाते हैं ।

• सूरज की रोशनी हवा में पहले से मौजूद प्रदूषकों के साथ मिलती है, जैसे कार के निकास से नाइट्रोजन के ऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक, ग्राउंड-लेयर ओजोन बनाते हैं। गर्म मौसम के दौरान, धीमी हवा की गति और तेजी से वाष्पीकरण प्रदूषकों को जमा कर सकते हैं और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के उत्सर्जन की दर को बढ़ा सकते हैं।

• वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि अधिकांश छोटे कण कार्बनिक पदार्थों से बनते हैं, जो गैर-जैविक पदार्थों की तुलना में अधिक हानिकारक हो सकते हैं।

• ऐसा संदेह है कि जंगल की आग, लू और धूप ने भी इसमें योगदान दिया था।

पेन-प्लस रणनीति

सन्दर्भ

अफ्रीका ने गंभीर गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के निदान, उपचार और देखभाल तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है।

प्रमुख बिंदु

• इसे 'पेन-प्लस, प्रथम स्तर की रेफरल स्वास्थ्य सुविधाओं पर गंभीर गैर संचारी रोगों से निपटने के लिए एक क्षेत्रीय रणनीति' कहा जाता है।

• विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वैश्विक मृत्यु दर में एनसीडी का योगदान 71 प्रतिशत है। अफ्रीकी क्षेत्र में, एनसीडी के कारण मृत्यु दर का अनुपात 27-88% के बीच है।

• गंभीर गैर-संचारी रोग वे पुरानी स्थितियां हैं जो बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में उच्च स्तर की विकलांगता और मृत्यु की ओर ले जाती हैं यदि उनका निदान नहीं किया जाता है या उनका इलाज नहीं किया जाता है।

• अफ्रीका में, सबसे प्रचलित, गंभीर गैर-संचारी रोगों में सिकल सेल रोग, टाइप 1 और इंसुलिन पर निर्भर टाइप 2 मधुमेह, आमवाती हृदय रोग, गंभीर उच्च रक्तचाप और मध्यम से गंभीर और लगातार अस्थमा शामिल हैं।

MCQ, **Current Affairs**, **Daily Pre Pare**